इस्पात मंत्रालय

मांग संख्या 86

इस्पात मंत्रालय

क. वसूलियों और प्राप्तियों को घटाने के बाद बजट आबंटन इस प्रकार है:

(करोड़ रुपए)

	वास्तविक 2014-2015			बजट 2015-2016			संशोधित 2015-2016			बजट 2016-2017		
मुख्य शीर्ष	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़	आयोजना	आयोजना-भिन्न	जोड़
राजस्व	-5.12	64.09	58.97	15.00	67.95	82.95	15.00	23.48	38.48	15.00	70.62	85.62
पूंजी	**...**	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
जोड़	**-5.12**	**64.09**	**58.97**	**15.00**	**67.95**	**82.95**	**15.00**	**23.48**	**38.48**	**15.00**	**70.62**	**85.62**
ब.अ. 2016-2017												
1. सचिवालय- आर्थिक सेवाएं 3451	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	26.06	26.06
लौह तथा इस्पात उद्योग												
2. लौह तथा इस्पात क्षेत्र में शोध और विकास संवर्धन योजना 2852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	15.00	...	15.00
3.												
3.01 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए जुटाए गए ऋणों के संबंध में हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को ब्याज सब्सिडी 2852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	44.05	44.05
4. अन्य कार्यक्रम 2852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	0.51	0.51
सं.अ. 2015-2016												
5. सचिवालय- आर्थिक सेवाएं 3451	...	19.66	19.66	...	23.35	23.35	...	22.99	22.99	...	...	...
लौह तथा इस्पात उद्योग												
6. लौह तथा इस्पात क्षेत्र में शोध और विकास संवर्धन												
6.01 लौह तथा इस्पात क्षेत्र में शोध और विकास संवर्धन योजना - चल रही शोध और विकास परियोजनाएं 2852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
6.02 कोल्ड रोल्ड ग्रेन ओरिएंटेड इस्पात शीट और अन्य मूल्यवर्धित नवाचारी इस्पात उत्पाद (नया घटक) के लिए प्रौद्योगिकी विकास 2852	0.25	...	0.25	1.00	...	1.00	1.00	...	1.00	...	...	...
6.03 नवाचारी लोहा और इस्पात निर्माण प्रक्रिया प्रौद्योगिकी विकास (विद्यमान योजना के तहत नई 2852	1.78	...	1.78	14.00	...	14.00	14.00	...	14.00	...	...	...

(करोड़ रुपए)

	मुख्य शीर्ष	वास्तविक 2014-2015 आयोजना	वास्तविक 2014-2015 आयोजना-भिन्न	वास्तविक 2014-2015 जोड़	बजट 2015-2016 आयोजना	बजट 2015-2016 आयोजना-भिन्न	बजट 2015-2016 जोड़	संशोधित 2015-2016 आयोजना	संशोधित 2015-2016 आयोजना-भिन्न	संशोधित 2015-2016 जोड़	बजट 2016-2017 आयोजना	बजट 2016-2017 आयोजना-भिन्न	बजट 2016-2017 जोड़
परियोजनाएं)													
जोड़- लौह तथा इस्पात क्षेत्र में शोध और विकास संवर्धन		*2.03*	*...*	*2.03*	*15.00*	*...*	*15.00*	*15.00*	*...*	*15.00*	*...*	*...*	*...*
7. सब्सिडी													
7.01 वीआरएस के कार्यान्वयन के लिए जुटाए गए ऋणों के संबंध में हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड को ब्याज सब्सिडी	2852	...	44.05	44.05	...	44.11	44.11	...	...	...	...	...	...
8. गारंटी शुल्क माफ करना													
8.01 हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड	2852	...	5.18	5.18	...	5.18	5.18	...	...	...	...	...	...
8.02 घटाइए – निवल प्राप्तियां	0075	...	-5.18	-5.18	...	-5.18	-5.18	...	...	...	...	...	...
	कुल	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
9. बर्ड ग्रुप ऑफ कम्पनीज के तहत बिसरा स्टोन लाइम कंपनी लि. को अनुदान	2852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
10. अन्य कार्यक्रम	2852	...	0.38	0.38	...	0.49	0.49	...	0.49	0.49	...	...	...
जोड़-लौह तथा इस्पात उद्योग		**2.03**	**44.43**	**46.46**	**15.00**	**44.60**	**59.60**	**15.00**	**0.49**	**15.49**	**...**	**...**	**...**
11. सरकारी उद्यमों में निवेश	6852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
12. वास्तविक वसूलियां	2852	-7.15	...	-7.15	...	...	...	...	...	...	...	...	...
कुल जोड़		***-5.12***	***64.09***	***58.97***	***15.00***	***67.95***	***82.95***	***15.00***	***23.48***	***38.48***	***15.00***	***70.62***	***85.62***

	विकास शीर्ष	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़
ख. सार्वजनिक उद्यम में निवेश													
11.01 भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड	12852	...	6839.76	6839.76	...	7500.00	7500.00	...	6500.00	6500.00	...	6000.00	6000.00
11.02 राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड	12852	...	1625.58	1625.58	...	1801.00	1801.00	...	1428.98	1428.98	...	1678.00	1678.00
11.03 हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड	12852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
11.04 राष्ट्रीय खनिज विकास निगम लिमिटेड	12852	...	3136.07	3136.07	...	3588.00	3588.00	...	3787.00	3787.00	...	3964.00	3964.00
11.05 कुद्रेमुख लौह अयस्क कंपनी लिमिटेड	12852	...	8.75	8.75	...	27.00	27.00	...	3.00	3.00	...	500.00	500.00
11.06 मैगनीज ओर इंडिया लिमिटेड	12852	...	114.78	114.78	...	127.47	127.47	...	128.07	128.07	...	139.53	139.53
11.07 बर्ड ग्रुप ऑफ कंपनीज	12852	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
11.08 मेकॉन लिमिटेड	12852	...	6.12	6.12	...	5.00	5.00	...	5.00	5.00	...	5.00	5.00
11.09 एमएसटीसी लिमिटेड	12852	...	...	...	...	10.00	10.00	...	5.00	5.00	...	10.00	10.00
11.10 फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड	12852	...	12.65	12.65	...	12.00	12.00	...	12.00	12.00	...	12.00	12.00
जोड़		**...**	**11743.71**	**11743.71**	**...**	**13070.47**	**13070.47**	**...**	**11869.05**	**11869.05**	**...**	**12308.53**	**12308.53**

	विकास शीर्ष	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़	बजट सहायता	आं. ब. बा. सं.	जोड़
ग. योजना परिव्यय													
1. लोहा और इस्पात उद्योग	12852	-5.12	11743.71	11738.59	15.00	13070.47	13085.47	15.00	11869.05	11884.05	15.00	12308.53	12323.53

1. **सचिवालय::** प्रावधान इस्पात मंत्रालय के सचिवालय व्यय को पूरा करने के लिए हैं।

2.01. **लोहा और इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास का संवर्धन:** इस स्की म के तहत राष्ट्री य महत्वं की आर एंड डी परियोजनाओं पर कार्रवाई करने के लिए वित्तीमय सहायता प्रदान की जाती है।

3. 3.01 - हिन्दुस्ता◌ान स्टील वर्क्स कनस्ट्रक्शन लिमिटेड: स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना (वीआरएस) के क्रियान्वुयन के लिए बैंकों से प्राप्त ऋणों पर ब्याज का भुगतान करने हेतु एचएससीएल ने वर्ष 1999 में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित पुनर्संरंचना योजना के अनुसार वीआरएस के निधियन हेतु तीन वाणिज्यिक बैंकों से आवधिक ऋण प्राप्त् किया है, नामश: एसबीआई- 209.82 करोड़ रूपए, विजया बैंक- 50.00 करोड़ रूपए और आईसीआईसीआई बैंक- 258.54 करोड़ रूपए, जो कुल मिलाकर 518.36 करोड़ रूपए बैठता है। इन ऋणों के लिए मूलधन और उस पर अर्जित ब्याज दोनों के लिए सरकारी गारंटी प्रदान की गई थी।

4. **अन्यां कार्यक्रम::** इनमें लोहा एवं इस्पा त विकास आयुक्त(डीसीआई एंड एस), कोलकाता, जो कि मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय है, के कार्यालय संबंधी स्थाकपना व्यडय तथा सुप्रसिद्ध धातुकर्मियों को वार्षिक आधार पर दिए जाने वाले पुरस्कार के प्रावधान शामिल हैं।

11. **सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में निवेश:** इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा विभिन्न पूंजीगत स्कीमों के क्रियान्वयन के लिए प्रावधान किया गया है। बीई 2016-17 में कोई बजटीय प्रावधान नहीं किया गया हैं। सभी पीएसयू अपने-अपने आईईबीआर से अपने- अपने पूंजीगत खर्चो को पूरा करेंगे। ब्यौरा निम्नवत है:

11.01. **स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड::** इसके 5 एकीकृत इस्पात संयंत्र हैं जो बर्नपुर , बोकारो, भिलाई, राउरकेला और दुर्गापुर में स्थित है तथा एलॉय इस्पात संयंत्र दुर्गापुर और सेलम में स्थित है। दिनांक 16.2.2006 से इंडियन आयरन एंड स्टील कंपनी (इस्को), सेल की सहायक कंपनी, का सेल में विलय कर दिया गया है तथा इसे इस्को स्टील प्लांट (आईएसपी) नाम दिया गया है। महाराष्ट्र इलैक्ट्रोस्मेल्ट लिमिटेड, जो फैरो मिश्र का उत्पादन करती है और जो कि पूर्व में सेल की सहायक कंपनी थी, का सेल के साथ विलय कर दिया गया हैं और इसका नाम अब चन्द्रपपुर फैरो एलॉय प्लां◌ाट रखा गया है। भारत रिफैक्ट्रीज लिमिटेड (बीआरएल), जो कि इस मंत्रालय के अंतर्गत सार्वजनिक क्षेत्र का एक उद्यम है, का विलय भी सेल के साथ किया गया है और इसका नाम अब सेल रिफैक्ट्रीज लिमिटेड (एसआरयू) है। सेल संयंत्रों/इकाइयों और इसकी सहायक कंपनियों के योजना परिव्यय को सेल के आंतरिक और अतिरिक्तय बजटीय संसाधनों से पूरा किया जा रहा है।

(i) भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए 1535 करोड़ रूपए के परिव्या◌य का प्रावधान किया गया है, जिसमें से 1388.00 करोड़ रूपए संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए हैं। शेष परिव्यय कोक ओवन बैटरी-9, रावघाट खान के विकास, बीएफ-4 के स्टोव के अपग्रेडेशन जैसी स्कीमों तथा अन्य चल रही, पूर्ण की गई एवं नई स्कीमों के लिए है।

(ii) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र के लिए 400.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है, जिसमें से संयंत्र के आधुनिकीकरण एवं विस्तार के लिए 291.00 करोड़ रूपए निर्धारित किए गए हैं। इस परिव्यय में शामिल अन्य स्कीमों में कोक ओवन बैटरी (सीओबी) संख्या 5 का पुनर्निर्माण, व्हील के अनिवार्य हाईड्रोलिक्स के साथ प्रेस इलेक्ट्रोनिकी का अपग्रेडेशन, नई रोटरी हियर्थ फर्नेस की स्थारपना तथा अन्य चल रही, पूर्ण की गई एवं नई स्कीमें शामिल हैं।

(iii) राउरकेला इस्पात संयंत्र के लिए 1240.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। परिव्यय में शामिल प्रमुख स्कीम में आरएसपी का विस्ताहर (566.00 करोड़ रूपए) शामिल है। अन्य स्कीमों में नई हॉट स्ट्रिप मिल (एचएसएम) की स्था◌ापना , ब्लाकस्टा फर्नेस-1 का अपग्रेडेशन, सीओबी-3 का पुनर्निमाण तथा अन्य चल रही, पूर्ण की गई एवं नई स्कीमें शामिल है।

(iv) बोकारो इस्पात संयंत्र के लिए 410.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है, जिसमें से संयंत्र के आधुनिकीकरण एवं विस्तार के लिए 186.00 करोड़ रूपए निर्धारित किए गए है। अन्ये स्कीकमों में सीओबी संख्यास-7 का पुनर्निर्माण, स्टील मेल्टिंग शॉप (एसएमएस)-1 का आधुनिकीकरण तथा अन्य 3 चल रही, पूर्ण की गई एवं नई स्कीमें शामिल है।

(v) इस्को स्टील प्लांट के लिए 990.00 करोड़ रू0 के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। इसका मुख्य भाग आईएसपी के आधुनिकीकरण एवं विस्तार (969.00 करोड़ रूपए), सीओबी संख्या 10 के पुनर्निर्माण के लिए है और शेष राशि अन्य चल रही, पूर्ण की गई एवं नई स्कीमों के लिए है।

(vi) मिश्र इस्पात संयंत्र के लिए 10.00 करोड़ रू0 का परिव्यय कई पूरी हो चुकी स्कीमों, चल रही स्कीमों तथा नई स्कीमों के लिए है।

(vii) सेलम इस्पात संयंत्र के लिए 15.00 करोड़ रू0 का परिव्यय आबंटित किया गया है। इस परिव्यय का अधिकांश हिस्सा एसएसपी के विस्तार (7.00 करोड़ रूपए) के लिए तथा शेष राशि चल रही, पूर्ण की गई और नई स्कीमों के लिए है।

(viii) 244 करोड़ रूपये का परिव्यय कच्चा माल प्रभाग के लिए आवंटित किया गया है। परिव्यतय का अधिकांश हिस्सा पेलैट संयंत्र (114 करोड़ रूपये) के साथ गुआ में उत्पादन क्षमता की वृद्धि के लिए है। अन्य् बड़ी स्कीमें मेघाहातावुरू एवं बोलानी खानों का विस्तार कार्य के रूप में है तथा शेष धनराशि चल रही, पूर्ण की गई और नई स्कीमों के लिए है।

(ix) शेष 155.00 करोड़ रूपये के परिव्यय का प्रावधान विश्वैश्वरया आयरन एंड स्टील लि0 (15.00 करोड़ रूपये), सेल की केंद्रीय इकाइयों (51.00 करोड़ रूपये के संयुक्त् उद्यम के माध्यम से निवेशों समेत 110 करोड़ रूपये), चंद्रपुर फैरो अलॉय प्लांट (30.00 करोड़ रूपए) की विभिन्न चल रही और नई स्की मों/परियोजनाओं तथा अनुसंधान कार्य के लिए किया गया है।

11.02. **राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड::** आरआईएनएल के अधीन विशाखापटनम स्टील प्लांट भारत का पहला तट आधारित एकीकृत इस्पात संयंत्र है। 3 एमटीपीए क्षमता की इस परियोजना की सभी यूनिटों को कमिशन कर लिया गया था और ये जुलाई, 1992 से प्रचालन कर रही हैं। लगभग 12300 करोड़ रूपये की लागत से 6.3 एमटीपीए क्षमता तक का विस्तार अप्रैल, 2015 में कमिशन कर लिया गया है।

आरआईएनएल ने विद्यमान यूनिटों की स्थिति को मजबूत करने के लिए तथा साथ ही तरल इस्पात क्षमता को 7.3 एमटीपीए तक बढ़ाने के लिए कई आधुनिकीकरण परियोजनाएं भी आरंभ की हैं। ब्ला स्टर फर्नेस-1 के श्रेणी-1 के वृहत मरम्म3त कार्य जुलाई 2014 में पूरे कर लिये गये हैं। अन्य बड़ी यूनिटों यथा ब्लास्टई/ फर्नेस-2,सिंटर प्लांट और स्टील मेल्ट शॉप कनवर्टरों की बृहत मरम्म त/आधुनिकीकरण कार्य शुरू कर लिये गये हैं और इनके उत्तरोत्तर रूप से वर्ष 2017-18 की प्रथम तिमाही तक पूरा हो जाने की प्रत्या शा है। बृहत मरम्मत के पश्चातत हॉट मेटल के उत्पा ीदन में होने वाली वृद्धि को ध्या्न में रखते हुऐ एसएमएस-2 में एक अतिरिक्त कनवर्टर और कास्टटर की स्थापना की जा रही है तथा वर्ष 2016-17 तक कमिशन होने की आयोजना की गई है।

आरआईएनएल के उपरोक्ता कार्यो और अन्य एएमआर स्कीमों के क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2015-16 हेतु 1402.00 करोड़ रूपये के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। वर्ष 2015-16 के लिए ओएमडीसी लि. और बीएसएलसी लि. का योजना परिव्य्य क्रमश 26.98 (2015-16 का आरई) करोड़ रूपये और शून्य है। इसके अतिरिक्त, आरआईएनएल के उक्त कार्यों तथा अन्य़ एएमआर/आर एंड डी स्कीमों के क्रियान्व यन हेतु वर्ष 2016-17 के लिए 1350 करोड़ रूपए के परिव्यय की आयोजना की गई है। समस्त परिव्यएय को आईईबीआर से पूरा किया जाता है ।

11.03. **हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड::** आधुनिक इस्पात संयंत्रों के पूर्ण निर्माण के लिए इस उपक्रम को वर्ष 1964 में निगमित किया गया। कंपनी ने अवसरंचना क्षेत्र में अपने कार्य का विस्तार किया है जिसमें उच्चल स्तर का नियोजन, समन्वय और आधुनिक परिष्कृत तकनीक इत्यादि शमिल है। एचएससीएल के लिए किसी योजना परिव्यय का प्रस्ताव नहीं किया गया है। इस पीएसयू की पुनर्संरचना करने पर सरकार विचार कर रही है।

11.04. **एनएमडीसी लिमिटेड::** एनएमडीसी लौह अयस्क की एकमात्र सबसे बड़ा उत्पादक है और देश में केवल यांत्रिक हीरे खान का परिचालन कर रही है। कंपनी इस्पात निर्माण और अन्य मूल्यवर्द्धित उत्पादों के क्षेत्र में भी अपने कार्यों का विस्तार कर रही है। बड़ी स्कीमों यथा छत्तीसगढ़ के नागरनार में 3 एमटीपीए क्षमता का इस्पात संयंत्र और किरन्दुल, बचेली, दौणिमलाइ एवं ग्रीनफील्डम पट्टों में खनन विकास कार्यों, एएमआर/टाउनशिप और आर एंड डी कार्यों इत्या ादि के लिए 3964.00 करोड़ रूपए (बोर्ड द्वारा अनुमोदन की शर्त पर) का योजना परिव्यय निर्धारित किया गया है।

11.05. **केआईओसीएल लिमिटेड::** केआईओसीएल लिमिटेड की स्थापना ईरान को निर्यात किए जाने हेतु लौह अयस्क सांद्रणों का विर्निर्माण करने के लिए की गई थी। 3 मिलियन टन सांद्रण का उपयोग करने के लिए एक पैलेट संयंत्र लगाने को मई, 1981 में मंजूर किया गया था। 116.65 करोड़ रूपए की लागत से कार्यान्वित हुई इस परियोजना में वाणिज्यिक उत्पादन अप्रैल, 1987 में शुरू किया गया था। तथापि, माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार कंपनी को कुद्रेमुख में दिनांक 31.12.2005 से खनन कार्य रोकना पड़ा था।

केआईओसीएल ने वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए विभिन्ने पूंजीगत परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु 500 करोड़ रूपए का योजना परिव्यय आबंटित किया है। प्रस्तावित कुछ परियोजनाएं निम्नावत् हैं :

(i) कर्नाटक राज्य में देवदारी लौह अयस्क डिपॉजिट का विकास और ब्लास्ट फर्नेस में फार्वडिंग इंटीग्रेशन प्रोजेक्ट इत्यादि।

(ii) लौह अयस्क डिपॉजिट के पैलेट प्लांट परियोजना विकास और सलरी पाइप लाइन की स्थापना हेतु आन्ध्र प्रदेश सरकार के नियंत्रणाधीन राज्य के स्वामित्व् वाली पीएसयू एपीएमडीसी के साथ एनएमडीसी और आरआईएनएल की इक्विटी भागीदारी।

(iii) बिल्ट, ऑन एंड ऑपरेट (बीओओ) आधार पर बोकारो स्टील संयंत्र, सेल में 1.5 एमटीपीए पैलेट संयंत्र की स्थापना।

इस परियोजना का विकास आन्तंरिक संसाधनों तथा बैंकों/वित्तीकय संस्थापनों से दीर्घकालीन ऋणों के जरिये किया जायेगा।

11.06. **मॉयल लिमिटेड::** मॉयल इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है। भारत सरकार, महाराष्ट्र सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के पास क्रमश: 71.57 प्रतिशत, 4.62 प्रतिशत और 3.81 प्रतिशत शेयरधारिता है। शेष 20 प्रतिशत शेयर जनता के पास है। यह देश में मैंगनीज अयस्क की सबसे बड़ी उत्पादक कम्पनी है। लाभप्रदता में सुधार करने के लिए कंपनी ने इलैक्ट्रोलाइटिक मैंगनीज डाईऑक्साइड और फैरो मैंगनीज जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों का उत्पादन शुरू किया है। बालाघाट, चिकला, केन्द्री , उकवा, मन्सा र, और गुमगांव खानों में वर्टिकल शॉफ्ट की सिंकिंग/डीपनिंग करने, सेल और आरआईएनएल के साथ फैरो /सिलिको मैंगनीज प्लांट के लिए संयुक्त उद्यम में निवेश करने, नए क्षेत्रों का विकास एवं भूमि अधिग्रहण, पूर्वेक्षणी एवं अन्वेनषण सहित वन एवं पर्यावरण की स्वीकृति तथा एएमआर स्कीमों,

टाउनशिप, अनुसंधान और विकास/व्यहार्यता अध्ययनों आदि के लिए 139.52 करोड़ रूपये के परिव्यय का प्रावधान किया गया है। समस्त परिव्यय को कंपनी के आईईबीआर से पूरा किया जाएगा।

11.08. **मेकॉन लिमिटेड ::** यह आई एस ओ: 9001-2008 प्राप्त देश का प्रथम परामर्शदात्री और इंजीनियरी संगठन है। यह कंपनी न केवल बेसिक इंजीनियरी, विस्तृत इंजीनियरी, परियोजना प्रबंधन आदि के क्षेत्र में परामर्शी सेवाएं प्रदान करती है अपितु इसने लौह, अलौह, तेल एवं गैस, पेट्रो-रसायन और अन्य सामान्य उद्योगों के लिए उपस्करों के डिजाइन और उनकी आपूर्ति में पर्याप्त विशेषज्ञता भी विकसित कर ली है। 5.00 करोड़ रूपए का योजना परिव्यय (आईईबीआर) में विभिन्न स्थानों में कार्यालय परिसर/अतिथि गृह का विस्तार, रद्दोबदल और वृद्धि के लिए है।

11.09. **एमएसटीसी लिमिटेड ::** यह कंपनी भारत सरकार की एक व्यापारिक कंपनी है जो सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी विभागों के स्क्रैप और खनिज भंडारों के निपटान/प्रापण का कार्य इलेक्ट्रोनिक्स पोर्टल/ई-कॉमर्स के माध्यम से करती है। कम्पनी निजी क्षेत्र के साथ प्रतिस्पर्धा में वास्तविक उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं के अनुसार अन्य मदों के साथ-साथ स्क्रैप का आयात करती है।

कंपनी के मुख्य कार्यों को दो प्रचालनात्मकक प्रभागों में बांटा गया है यथा : ई- कामर्स और व्यामपार। ई-कामर्स प्रभाग स्क्रै प, सरप्लोस स्टोदर्स, मिनरल्सक, कृषि एवं वन उत्पादों का ई-नीलामी के जरिए निपटान करता है। एमएसटीसी ने वाहनों और अन्य वाइड गुड्स यथा एयर कंडीशनर, रैफ्रिजीरेटर्स, जो 10-15 वर्षों की लम्बी अवधि के दौरान उपयोग के पश्चात् आगे प्रचालन हेतु अप्रयोज्य हो जाते हैं, के अन्तिम कार्यशील जीवन में उनके स्क्रैगप की प्रोसेसिंग के लिए पूर्ण नई पद्धति विकसित हेतु लिए यांत्रिकृत श्रेडिंग प्लांट की स्था ना आरंभ की है। एमएसटीसी वाहनों के अन्तिम कार्यशील जीवन के समय अनिवार्य श्रेडिंग के लिए एक कानून के क्रियान्वयन हेतु सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच), भारी उद्योग मंत्रालय, सोसाइटी आफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चर्स इत्यादि के साथ निरन्तर कार्रवाई कर रहा है। इससे देश में श्रेडिड स्क्रै ऑप का वर्तमान में होने वाले 5-6 मिलियन टन आयात पर निर्भरता कम हो जाएगी और इससे परिणामत: विदेशी मुद्रा का बर्हिगमन कम होगा। भारत सरकार वर्तमान में सब्सिडी/एक्साइज डयूटी में राहत के रूप में मोटर व्हीकल के श्रेडिंग को प्रोत्सा◌ाहित करने वाली स्कीम के साथ "स्क्रैपेज पालिसी " तैयार कर रही है। श्रेडिंग प्लांरट की स्थापना के लिए 10.00 करोड़ रूपए का परिव्यय निर्धारित किया गया है जिसकी पूर्ति आई एंड ईबीआर से की जाएगी।

11.10. **फैरो स्क्रैप निगम लिमिटेड::** एफएसएनएल, एमएसटीसी लिमि. की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है। कंपनी सेल/आरआईएनएल के इस्पात संयंत्रों तथा बीएचईएल, हरिद्वार और जेएसडब्ल्यू, डोल्वी के संयंत्रों से स्क्रैप की प्राप्ति और प्रसंस्करण का कार्य करती है। स्लैग के प्रसंस्करण और डम्पों से लोहे और इस्पात के पुन: संसाधन हेतु कंपनी को विभिन्न प्रकार के उपस्करों और आधुनिक प्रौद्योगिकी पर निर्भर होना पड़ता है। 12.00 करोड़ रूपए का योजना परिव्यय एएमआर स्कीमों के लिए है जिसे कंपनी के आंतरिक और अतिरिक्त. बजटीय संसाधनों से पूरा किया जाना है।